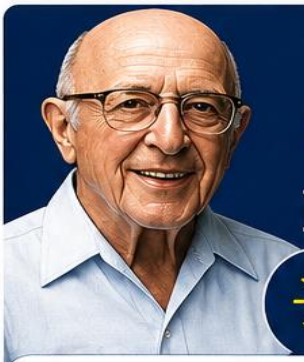

CARL ROGERS
SELF-THEORY/
LEARNER-CENTERED EDUCATION

Carl Rogers believed that every individual has the **inner potential** to grow and become a **fully functioning person.**

SELF-THEORY (CORE CONCEPTS)

1. SELF-CONCEPT
The organized, consistent set of beliefs and perceptions that a person holds about **"I" or "me"**.

2. IDEAL SELF
The person one would like to be; our **goals, values and aspirations.**

3. SELF-ESTEEM
The evaluation we make of ourselves; depends on the gap between **self concept** and **ideal self.**

4. CONGRUENCE
When self-concept and ideal self are in harmony. Leads to **inner peace and growth.**

CONDITIONS FOR PERSONAL GROWTH

1. UNCONDITIONAL POSITIVE REGARD
Accepting the learner wholeheartedly **without judgment or conditions.**

2. EMPATHY
Understanding the learner's **feelings and experiences** from their point of view.

3. GENUINENESS (CONGRUENCE)
The teacher is **real, honest** and **transparent** in interactions.

LEARNER-CENTERED EDUCATION: KEY PRINCIPLES

1 LEARNER IS THE CENTER
Focus on the learner's **needs, interests and experiences.**

2 LEARNING BY EXPERIENCE
Learning is most meaningful when based on **real-life experiences.**

3 FREEDOM TO LEARN
Learners are free to make **choices** and take **responsibility.**

4 ROLE OF TEACHER: FACILITATOR
Teacher acts as a **guide** and **facilitator**, not a controller or dictator.

5 CLIMATE OF TRUST
A safe, **supportive** and **non-threatening environment** encourages learning.

6 HOLISTIC DEVELOPMENT
Focus on the total development of **mind, body, emotions and values.**

IMPORTANCE OF ROGERS' APPROACH

- Builds self-confidence and self-esteem.
- Encourages independent thinking and creativity.
- Develops positive relationships and cooperation.
- Promotes lifelong learning and personal growth.

OUTCOME

- Self-actualized, confident and responsible individuals.
- Better adjustment and mental well-being.
- Effective and meaningful learning.

> "The good life is a **process**, not a state of being. It is a **direction**, not a destination."

कार्ल रोजर्स: स्व-सिद्धांत / शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षा

कार्ल रोजर्स का मानना था कि प्रत्येक व्यक्ति में बढ़ने और एक पूर्णतः कार्यशील व्यक्ति बनने की **आंतरिक क्षमता** होती हैं।

स्व-सिद्धांत (मुख्य अवधारणाएं)

1. स्व-अवधारणा

विश्वासों और धारणाओं का वह संगठित, सुसंगत समूह जो एक व्यक्ति "मैं" या "मुझे" के बारे में रखता है।

2. आदर्श स्व

वह व्यक्ति जो कोई बनना चाहता है; हमारे लक्ष्य, मूल्य और आकांक्षाएं।

3. आत्म-सम्मान

वह मूल्यांकन जो हम स्वयं का करते हैं; यह स्व-अवधारणा और आदर्श स्व के बीच के अंतर पर निर्भर करता है।

4. अनुरूपता

जब स्व-अवधारणा और आदर्श स्व सामंजस्य में होते हैं। यह आंतरिक शांति और विकास की ओर ले जाता है।

व्यक्तिगत विकास के लिए शर्तें

1. बिना शर्त सकारात्मक सम्मान

शिक्षार्थी को बिना किसी निर्णय या शर्तों के पूरे दिल से स्वीकार करना।

2. सहानुभूति

शिक्षार्थी की भावनाओं और अनुभवों को उनके दृष्टिकोण से समझना।

3. वास्तविकता (प्रामाणिकता)

शिक्षक बातचीत में वास्तविक, ईमानदार और पारदर्शी होता है।

शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षा: मुख्य सिद्धांत

1 शिक्षार्थी केंद्र में है

शिक्षार्थी की जरूरतों, रुचियों और अनुभवों पर ध्यान देना चाहिए।

2 अनुभव द्वारा सीखना

सीखना तब सबसे सार्थक होता है जब वह वास्तविक जीवन के अनुभवों पर आधारित हो

3 सीखने की स्वतंत्रता

शिक्षार्थी विकल्प चुनने और जिम्मेदारी लेने के लिए स्वतंत्र हैं।

4 शिक्षक की भूमिका सुविधादाता

शिक्षक एक मार्गदर्शक और सुविधादाता के रूप में कार्य करता है, न कि नियंत्रक या तानाशाह के रूप में।

5 विश्वास का वातावरण

एक सुरक्षित, सहायक और गैर-धमकी भरा वातावरण सीखने को प्रोत्साहित करता है।

6 समग्र विकास

मन, शरीर, भावनाओं और मूल्यों के कुल विकास पर ध्यान देना चाहिए।

रोजर्स के दृष्टिकोण का महत्व

- आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान का निर्माण करता है।
- स्वतंत्र चिंतन और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करता है।
- सकारात्मक संबंध और सहयोग विकसित करता है।
- आजीवन सीखने और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देता है।

परिणाम

- आत्म-सिद्ध, आत्मविश्वासी और जिम्मेदार व्यक्ति।
- बेहतर समायोजन और मानसिक कल्याण।
- प्रभावी और सार्थक शिक्षा।

"अच्छा जीवन एक **प्रक्रिया** है, होने की स्थिति नहीं। यह एक **दिशा** है, गंतव्य नहीं।"